एम.एच.डी.-4

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.एच.डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2008

एम.एच.डी.-4 : नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *पहला प्रश्न **अनिवार्य** है । शेष प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर दीजिए ।*

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं ***तीन*** की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *3×12=36*

(क) कविता करना अनंत पुण्य का फल है । इस दुराशा और अनंत उत्कंठा से कवि-जीवन व्यतीत करने की इच्छा हुई । संसार के समस्त अभावों को असंतोष कह कर हृदय को धोखा देता रहा । परंतु कैसी विडम्बना ! लक्ष्मी के लालों के भ्रू-भंग और क्षोभ की ज्वाला के अतिरिक्त मिला क्या ! — एक काल्पनिक प्रशंसनीय जीवन, जो दूसरों की दया में अपना अस्तित्व रखता है ! संचित हृदय कोश के अमूल्य रत्नों की उदारता और दारिद्र्य का व्यंग्यात्मक कठोर अट्टहास, दोनों की विषमता की कौन सी व्यवस्था होगी ?

(ख) मैं दो बड़े पहियों के बीच लगा हुआ एक छोटा निरर्थक शोभा-चक्र हूँ जो बड़े पहियों के साथ घूमता है पर रथ को आगे नहीं बढ़ाता और न धरती ही छू पाता है ! और जिसके जीवन का सबसे दुर्भाग्य यह है कि वह धुरी से उतर भी नहीं सकता !

(ग) मैं यहाँ थी, तो मुझे कई बार लगता था कि मैं एक घर में नहीं, चिड़ियाघर के एक पिंजरे में रहती हूँ जहाँ... आप शायद सोच भी नहीं सकते कि क्या-क्या होता रहा है यहाँ । डैडी का चीखते हुए ममा के कपड़े तार-तार कर देना... उनके मुँह पर पट्टी बाँध कर उन्हें बंद कमरे में पीटना... खींचते हुए गुसलखाने में कमोड पर ले जाकर... (सिहरकर) मैं तो बयान भी नहीं कर सकती कि कितने-कितने भयानक दृश्य देखे हैं इस घर में मैंने । कोई भी बाहर का आदमी उस सब को देखता-जानता, तो यही कहता क्यों नहीं बहुत पहले ही ये लोग... ?

(घ) यह जो मेरे सामने कुटज का लहराता पौधा खड़ा है वह नाम और रूप दोनों में अपनी अपराजेय जीवनी-शक्ति की घोषणा कर रहा है । इसीलिए यह इतना आकर्षक है । नाम है कि हज़ारों वर्ष से जीता चला आ रहा है । कितने नाम आए और गए । दुनिया उनको भूल गई, वे दुनिया को भूल गए ।

मगर कुटज है कि संस्कृत की निरंतर स्फीयमान शब्दराशि में जो जम के बैठा सो बैठा ही है । और रूप की तो बात ही क्या ! बलिहारी है इस मादक शोभा की । चारों ओर कुपित यमराज के दारुण निःश्वास के समान धधकती लू में यह हरा भी है और भरा भी है, दुर्जन के चित्र से भी अधिक कठोर पाषाण की कारा में रुद्ध अज्ञात जलस्रोत से बरबस रस खींच कर सरस बना हुआ है ।

(ङ) भारत में वर्ण-व्यवस्था का विरोध और उस व्यवस्था के टूटने पर आपत्ति — ये दोनों बातें बहुत पुरानी हैं । कबीर के समय से ही ये दोनों बातें साहित्य में ख़ूब उभर कर आई हैं । हिन्दी, बंगला, मराठी, पंजाबी, काश्मीरी आदि भाषाओं में भक्ति-आंदोलन मनुष्य-मात्र की समानता घोषित करने वाला एक व्यापक और शक्तिशाली आंदोलन था । यह आंदोलन वर्णों और मत-मतांतरों में बँटे हुए सामंती समाज की व्यवस्था के विरुद्ध था, और इस व्यवस्था के कमज़ोर होने से वह उत्पन्न हुआ था । ग़रीब किसानों, कारीगरों, सौदागरों आदि की सक्रिय सहानुभूति से उसका प्रसार हुआ था । प्राचीन रूढ़िवाद जहाँ धार्मिक कर्मकांड को महत्त्व देता था, वहाँ यह आंदोलन प्रेम को भक्ति और मुक्ति का आधार मानता था ।

(च) जब तक संपत्ति, मानव समाज के संगठन का आधार है, संसार में अंतर्राष्ट्रीयता का प्रादुर्भाव नहीं हो सकता । राष्ट्रों-राष्ट्रों की, भाई-भाई की, स्त्री-पुरुष की लड़ाई का कारण यही संपत्ति है, जितनी मूर्खता और अज्ञानता है, उसका मूल रहस्य यही विष की गाँठ है । जब तक संपत्ति पर व्यक्तिगत अधिकार रहेगा, तब तक मानव समाज का उद्धार नहीं हो सकता । मज़दूरों के काम का समय घटाइए, बेकारों को गुज़ारा दीजिए, ज़मींदारों और पूँजीपतियों के अधिकारों को घटाइए, मज़दूरों और किसानों के स्वत्वों को बढ़ाइए, सिक्के का मूल्य घटाइए, इस तरह के चाहे जितने सुधार आप करें, लेकिन यह जीर्ण दीवार इस तरह के टीपटाप से खड़ी नहीं रह सकती । इसे नए सिरे से गिरा कर उठाना होगा . . . ।

2. 'अन्धेर नगरी' नाटक में निहित व्यंग्य और विडम्बना पर प्रकाश डालते हुए यह बताइए कि यह नाटक आज किस प्रकार प्रासंगिक है । *16*

3. 'स्कंदगुप्त' नाटक को केंद्र में रखते हुए जयशंकर प्रसाद की नाट्यकला पर प्रकाश डालिए । *16*

4. हिन्दी नाटक परंपरा में 'आधे-अधूरे' का क्या महत्त्व है ? सोदाहरण विवेचन कीजिए । *16*

5. रंगमंच की दृष्टि से 'अंधा युग' का मूल्यांकन कीजिए । *16*

6. एकांकी नाटक और पूर्णकालिक नाटक में अंतर स्पष्ट करते हुए 'तांबे के कीड़े' नामक एकांकी की समीक्षा कीजिए । *16*

7. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के भाव और मनोविकार सम्बन्धी निबंधों के संदर्भ में 'लाभ और प्रीति' की विशेषताएँ बताइए । *16*

8. 'अज्ञेय ने अवसाद को निराला के भावबोध का मुख्य आधार माना है, फिर भी उन्हें वसंत का अग्रदूत कहा है ।' इस अंतर्विरोध पर प्रकाश डालिए । *16*

9. आत्मकथा की विशेषताओं के संदर्भ में 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' का मूल्यांकन कीजिए । *16*

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : *2×8=16*

(क) नुक्कड़ नाटक

(ख) व्यंग्य निबंध

(ग) रेखाचित्र के रूप में 'ठकुरी बाबा'

(घ) जीवनी और आत्मकथा की तुलना